web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार, 03 अप्रैल 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 184

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में अगले 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है : मौसम विभाग

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अगले 24 घंटे के दौरान मौसम साफ रहने की संभावना है। ये जानकारी मौसम विभाग ने दी। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा, अगले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में साफ आसमान के साथ मौसम शुष्क रहने की संभावना है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 8.4, पहलगाम में 1.7 और गुलमर्ग में 2.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख के द्रास कस्बे में रात का न्यूनतम तापमान माइनस 4.2, लेह में 1.4 और कारगिल में 1.0 दर्ज किया गया। जम्मू में न्यूनतम तापमान 17.9, कटरा में 19.8, बटोटे में 13.7, बनिहाल में 11.6 और भद्रवाह में 9.7 दर्ज किया गया।

भारतीय खेल प्राधिकरण ने 2509 खिलाडिय़ों के लिए पॉकेट भत्ते के रूप में 7.22 करोड़ रुपये जारी किए

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय खेल प्राधिकरण ने पूरे 21खेलों में कुल 2509 खेलो इंडिया एथलीटों (केआईए) के लिए कुल 7.22 करोड़ रुपये जनवरी से मार्च 2022 तक के लिए पॉकेट भत्ते (ओपीए) के रूप में जारी किए हैं। सालाना खेलो इंडिया छात्रवृत्ति योजना के अनुसार मान्यता प्राप्त अकादमियों में प्रत्येक आवासीय एथलीट प्रशिक्षण के लिए 6.28 लाख रुपये की वित्तीय सहायता आवंटित की जाती है। इसमें 1.20 लाख रुपये का पॉकेट भत्ता शामिल है। पॉकेट भत्ता (ओपीए) (सालाना 1.20 लाख रुपये) सीधे एथलीट के बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिया जाता है, जबकि शेष राशि उस खेलो इंडिया अकादमी में खिलाड़ी के प्रशिक्षण,भोजन,आवास और शिक्षा पर खर्च की जाती है जहां खिलाड़ी प्रशिक्षण लेता है। इसमें गृहनगर की यात्रा,घर पर रहने के दौरान आहार पर हुए खर्च और खिलाडिय़ों द्वारा किए गए अन्य विविध खर्च भी शामिल हैं। वित्त पोषण खेलो इंडिया टैलेंट डेवलपमेंट (केआईटीडी) योजना के अनुसार किया गया है।

अमित शाह ने दुग्ध उत्पादकों के लिए विशेष बैंक स्थापित करने के लिए कर्नाटक की पहल की सराहना की

बेंगलुरु (आरएनएस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि कर्नाटक दूध उत्पादकों के लिए एक विशेष बैंक स्थापित करने वाला देश का एकमात्र राज्य है। सहकारी बैंक का लोगो लॉन्च करने के बाद, शाह ने कहा, कर्नाटक का सहकारी आंदोलन देश में सबसे सफल लोगों में से एक है। कर्नाटक को उन राज्यों में ए श्रेणी में रखा गया है, जिन्होंने सहकारी क्षेत्र में सफलता हासिल की है। कर्नाटक के सहकारी आंदोलन को इसकी सफलता के लिए स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। मुझे विश्वास है कि राज्य में सहकारिता आंदोलन हर गांव तक पहुंचेगा।

स्कार्पियो की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत

बेगूसराय (आरएनएस)। बिहार में बेगूसराय जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में स्कॉर्पियो की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि बासुदेवपुर चांद पूरा गांव निवासी रामएकबाल ताती ,राम विलास ताती और संजीव ताती बीती देर रात बाइक पर सवार होकर बेगूसराय जा रहे थे। इसी दौरान कुंड ढ़ाला के समीप गश्त कर रही पुलिस ने जब युवकों को रोकने का प्रयास किया तब वे भागने लगे। इस बीच स्कॉर्पियो ने बाइक सवार तीनों युवकों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। घटना के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन सहित फरार हो गया। सूत्रों ने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

बत्ती गुल और मोमबत्ती भी गायब, दवाओं को तरस रहे श्रीलंकावासी

कोलंबो । श्रीलंका में हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। सरकार के खिलाफ नाराजगी जाहिर कर रहे लोग सडक़ों पर उतर आए हैं। वहीं, राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने भी स्थिति की गंभीरता के मद्देनजर आपातकाल का ऐलान कर दिया है। दरअसल, मुल्क के आर्थिक हालात के चलते यह पूरा संकट खड़ा हुआ है। देशवासियों में इस कदर निराशा है कि एक ओर कुछ लोग भागकर तमिलनाडु का रुख कर रहे हैं। वहीं, कुछ मुश्किल से गुजारा कर रहे हैं। नौबत यहां तक आ गई है कि लोगों को बुनियादी दवाएं भी नसीब नहीं हो रही हैं।

प्रधानमंत्री की उपस्थिति में भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार पर हुआ समझौता

नई दिल्ली (आरएनएस)। एक वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एस्कॉर्ट मॉरीसन की उपस्थिति में, भारत सरकार की ओर से केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल और ऑस्ट्रेलिया सरकार के व्यापार पर्यटन एवं निवेश मंत्री डैन तेहान ने आज भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (इंडऑस ईसीटीए) पर हस्ताक्षर किए।

हस्ताक्षर संपन्न होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले एक महीने में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के साथ यह उनकी तीसरी बातचीत है। उन्होंने प्रधानमंत्री मॉरिसन के नेतृत्व और उनके व्यापार दूत तथा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने एक सफल और प्रभावी जुड़ाव के लिए व्यापार मंत्रियों और उनकी टीम की भी सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इतने कम समय में इंडऑस ईसीटीए पर हस्ताक्षर करना दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास की गहराई को दर्शाता है। मोदी ने एक-दूसरे की जरूरतों को पूरा करने के लिए दोनों अर्थव्यवस्थाओं में मौजूद अपार संभावना के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि यह समझौता दोनों देशों को इन अवसरों का पूरी तरह से लाभ उठाने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा, यह हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। प्रधानमंत्री ने कहा, इस समझौते के आधार पर, हम एक साथ आपूर्ति श्रृंखलाओं को और भी अधिक सशक्त बनाने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के स्थायित्व में भी योगदान देने में सक्षम होंगे।

जन-जन' के बीच संबंधों को भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों का प्रमुख स्तंभ बताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, इस समझौते से हमारे दोनों देशों के बीच छात्रों, पेशेवरों और पर्यटकों के आदान-प्रदान की सुविधा होगी, जो इन संबंधों को और मजबूत करेगा।

प्रधानमंत्री ने आगामी विश्व कप फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम को अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री मॉरिसन ने भी हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच उल्लेखनीय पैमाने पर सहयोग के बारे में चर्चा की और प्रधानमंत्री मोदी को उनके नेतृत्व के लिए धन्यवाद दिया। इंडऑस ईसीटीए पर हस्ताक्षर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ते संबंधों में एक और मील का पत्थर बताते हुए, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समझौता संबंधों को और भी अधिक मजबूत करेगा। मॉरिसन ने कहा कि व्यापार और आर्थिक सहयोग में वृद्धि के अलावा इंडऑस ईसीटीए कार्य, अध्ययन और यात्रा के अवसरों का विस्तार करके दोनों देशों के लोगों के बीच निकटतापूर्ण और घनिष्ठ संबंधों को और भी मजबूत करेगा। यह हमारे व्यवसायों को एक जोरदार संकेत होगा कि सबसे बड़े दरवाजों में से एक अब खुला है, क्योंकि दो सशक्त क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाएं और समान विचारधारा वाले लोकतंत्र परस्पर लाभ के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह एक स्पष्ट संदेश भी देता है कि लोकतंत्र एक साथ काम कर रहे हैं और आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा और सशक्तता सुनिश्चित कर रहे हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के मंत्रियों ने भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले दोनों देशों के बीच संबंधों की बढ़ती ताकत पर अपने विचार व्यक्त किए।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ते आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध दोनों देशों के बीच तेजी से विविधीकरण और गहन संबंधों की स्थिरता और मजबूती में योगदान करते हैं। वस्तुओं एवं सेवाओं के क्षेत्र में व्यापार को शामिल करते हुए, इंडऑस ईसीटीए एक संतुलित और न्यायसंगत व्यापार समझौता है, जो दोनों देशों के बीच पहले से ही गहरे, घनिष्ठ और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करेगा तथा वस्तुओं एवं सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाएगा, नए रोजगार के अवसरों का सृजन करेगा, जीवन स्तर को बढ़ाएगा और दोनों देशों के लोगों के सामान्य कल्याण में सुधार करेगा।

आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका को भारत ने भेजी 40 हजार टन डीजल

नई दिल्ली (आरएनएस)। आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका के लिए भारत ने मदद का हाथ आगे बढ़ाया है। भारत ने शनिवार को 40,000 टन डीजल श्रीलंका भेजा। सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष सुमित विजेसिंघे ने कहा कि ईंधन का वितरण आज शाम से शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रीलंका भर में सैकड़ों ईंधन स्टेशनों के लिए यह अच्छा समाचार है, जहां पिछले कुछ दिनों से इसकी आपूर्ति नहीं थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, 40 हजार टन चावल की खेप भी भारत से श्रीलंका भेजने के लिए तैयार की जा रही है। दोनों देशों ने पिछले महीने 1 बिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद भारत की ओर से श्रीलंका को यह पहली बड़ी खाद्य सहायता होगी। माना जा रहा है कि इस मदद से श्रीलंका में सरकार खाद्य कीमतों में कमी लाने में कुछ हद तक सफल होगी, जो पिछले एक साल में दोगुनी हो गई है।

पट्टाभि एग्रो फूड्स के प्रबंध निदेशक बीवी कृष्ण राव ने बताया कि हम पहले कंटेनर्स लोड कर रहे हैं। पोत-लोडिंग की प्रक्रिया कुछ दिनों में शुरू होगी। फर्म भारतीय और श्रीलंकाई सरकारों के बीच हुए एक क्रेडिट सुविधा समझौते के तहत श्रीलंका स्टेट ट्रेडिंग (जनरल) कॉर्प को चावल की सप्लाई कर रही है।

आरपीएफ ने रेलवे टिकट दलालों के खिलाफ महीने भर का देशव्यापी अभियान चलाया

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में लंबी दूरी की ट्रेन सेवाओं की बहाली और त्योहारों और गर्मी की भीड़ की संभावना के चलते, मार्च 2022 के महीने में आरक्षित ट्रेन सिटों की मांग में तेज वृद्धि की उम्मीद थी। इस मामले को ध्यान में रखते हुए, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने टिकट दलालों के खिलाफ अपने प्रयासों को तेज कर दिया और मार्च 2022 के महीने में पूरे देश में दलालों की गतिविधियों के खिलाफ एक देशव्यापी अभियान शुरू किया।

आरपीएफ की क्षेत्रीय इकाइयों ने क्षेत्र, डिजिटल और साइबर दुनिया से जानकारी इक_ा की। फिर सूचनाओं का मिलान, सत्यापन और विश्लेषण किया और 1 मार्च 2022 से पूरे देश में टिकट दलालों के खिलाफ अभियान शुरू किया।

आरफीएफ द्वारा शुरू किया गया यह अभियान बेहद सफल रहा और इसके परिणामस्वरूप 1459 टिकट दलालों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 341 अधिकृत आईआरसीटीसी एजेंट थे, लेकिन वे रेलवे टिकटों की दलाली में भी शामिल थे। इन आईआरसीटीसी एजेंटों को ब्लैकलिस्ट करने और 366 आईआरसीटीसी एजेंटों की आईडी और 6751 व्यक्तिगत आईडी को ब्लॉक करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। मार्च महीने में टिकट दलालों की गिरफ्तारी पिछले महीने यानी फरवरी 2022 के आंकड़े से करीब 3.64 गुना है। इन टिकट दलालों द्वारा अवैध रूप से खरीदे गए 65 लाख रुपये से अधिक मूल्य की भविष्य की यात्रा के रेलवे टिकटों को बरामद कर रद्द कर दिया गया है, जिससे ये सीटें सही मायने में हकदार रेलव यात्रियों को उपलब्ध हो गई हैं।

ऑपरेशन उपलब्ध के तहत महीने भर का देशव्यापी अभियान ने दलालों की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगाने और आम आदमी को रेलवे टिकट उपलब्ध कराने में समर्थ बनाया है। भारतीय रेलवे आम जनता को अनाधिकृत व्यक्तियों से टिकट न खरीदने की सलाह देता है क्योंकि यह न केवल एक बार पता चलने के बाद रद्द हो सकता है, बल्कि टिकट लेने वाले को कानूनी परेशानी में भी डाल सकता है। रेलवे टिकटों के दलालों के खिलाफ आरपीएफ द्वारा शुरू किया गया ऑपरेशन उपलब्ध अभियान भविष्य में भी उसी जोश और तीव्रता के साथ जारी रहेगा।

तीर्थयात्री हमला मामले में कर्नाटक ने आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में पुलिस टीम भेजी

रायचूर (आरएनएस)। कर्नाटक पुलिस ने आज आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में स्थिति की जांच के लिए एक टीम भेजी है, जहां तीर्थयात्रियों के बीच हिंसक झड़प हुई। पुलिस के अनुसार, कर्नाटक राज्य सरकार ने 14 पुलिसकर्मियों, 2 पीएसआई, 2 एएसआई, 10 कांस्टेबलों की टीम भेजने का फैसला लिया है।

रविवार को टीम कर्नाटक लौटने के बाद 30 मार्च को हुई हिंसा और हमले पर एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे। श्रीशैलम में एक तीर्थयात्री और एक स्थानीय दुकान के मालिक के बीच झड़प के रूप में शुरू हुई हिंसा में कर्नाटक के कम से कम दो व्यक्ति घायल हो गए।

सिर में गंभीर चोट लगने के बाद बागलकोट जिले के जनमट्टी गांव की रहने वाली श्रीशैला वरीमठ को इलाज के लिए बेंगलुरु भेज दिया गया है। दूसरे घायल व्यक्ति गोपाल को एक एम्बुलेंस से कर्नाटक में उसके गांव भेजा गया।

उगादी उत्सव के दौरान कर्नाटक के लाखों तीर्थयात्री श्रीशैलम आते हैं। वे शनिवार को लगने वाले धार्मिक मेले के बाद घर लौटेंगे।

तीर्थयात्रियों के अनुसार, श्रीशैलम के मुख्य मार्ग पर मंदिर के अधिकारियों ने स्थापित पेयजल आउटलेट 30 मार्च को बंद कर दिए गए थे, जिससे पानी की किल्लत हो गई थी।

राज्य के तीर्थयात्रियों के प्रतिनिधिमंडल ने कुरनूल के जिला आयुक्त कोटेश्वर राव से मुलाकात कर इस मामले में उन्हें एक ज्ञापन सौंपा है। डीसी ने हरसंभव सहयोग व समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है।

121 साल बाद मार्च में पड़ी इतनी ज्यादा गर्मी, 71प्रतिशत बारिश भी कम हुई : आईएमडी

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के लोगों को इस साल मार्च में रिकॉर्ड लेवल की गर्मी का सामना करना पड़ा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, देश में 1901 के बाद से सबसे गर्म मार्च महीना रहा, जिस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 1.86 डिग्री सेल्सियस अधिक था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि देश भर में औसत वर्षा भी बीते महीने औसत से 71प्रतिशत कम हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में मार्च में औसत तापमान 33.10 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो कि सामान्य से 1.86 डिग्री सेल्सियस अधिक है। इस दौरान औसत न्यूनतम तापमान 20.24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तर-पश्चिम इलाके में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से 3.91 डिग्री सेल्सियस अधिक था। वहीं, सेंट्रल एरिया में भी मार्च सामान्य से 1.62 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म था।

भारत में मार्च में औसत तौर पर 8.9 एमएम बारिश हुई, जो कि लॉन्ग पीरियड एवरेज के 30.4 एमएम से 71 प्रतिशत कम है। मार्च में 1909 में 7.2 मिमी और 1908 में 8.7 मिमी बारिश हुई थी। ऐसे में इस साल पिछले महीने 1901 के बाद से तीसरी सबसे कम बारिश हुई।

मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि आने वाले सालों में लू की तीव्रता बढ़ती जाएगी। पिछले कुछ सालों में ऐसे दिन ज्यादा रहे हैं जब बारिश हुई ही नहीं। कुछ मामलों में बहुत ज्यादा बारिश हुई और गर्मी भी बढ़ती गई है।

देश की सुरक्षा सरकार की है सर्वोच्च प्राथमिकता : उपराष्ट्रपति राजनाथ

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसकी एकता और अखंडता की रक्षा के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। यह बात रक्षा मंत्री राजनाथ ने राष्ट्र के लिए चेतक हेलीकॉप्टर की सेवा के 60 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा। भारतीय वायु सेना द्वारा 02 अप्रैल, 2022 को हैदराबाद के हाकिमपेट स्थित वायु सेना स्टेशन में चेतक- आत्म-निर्भरता, बहुविज्ञता और विश्वस्तता के 6 गौरवशाली शतकविषय पर यशस्वत् षट् शतकम्सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी,तीनों सेनाओं के हेलीकॉप्टर स्ट्रीम के वरिष्ठ सेवानिवृत्त और सेवारत अधिकारी और रक्षा मंत्रालय, भारतीय तटरक्षकऔर हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के अधिकारी उपस्थित थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सम्मेलन को उन लोगों के लिए एक उचित श्रद्धांजलि के रूप में बताया जिन्होंने कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा की है। इस अमूल्य योगदान के लिए अपना सम्मान व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि,जब भी कोई देश सुरक्षा के लिए युद्ध लड़ता है,तो इसमें केवल सशस्त्र बल ही हिस्सा नहीं लेते हैं बल्कि पूरा देश उस युद्ध में शामिल होता है। एचएएल जैसे संगठनों के वैज्ञानिक, इंजीनियर और तकनीशियन, जो चेतक और अन्य प्लेटफॉर्म जैसे हेलीकॉप्टर विकसित करते हैं,हमारे सैनिकों के समान ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमएसएमई से जुड़े लाखों कर्मचारी भी इन परियोजनाओं के लिए पुर्जों की आपूर्ति करके योगदान करते हैं। यह सम्मेलन उन सभी की कड़ी मेहनत और समर्पण का जश्न मनाता है।

इतिहास में राजपूत राजा राणा प्रताप के चेतक नाम के घोड़े की तुलना करते हुए राजनाथ सिंह ने चेतक हेलीकॉप्टर को न केवल एक मशीन, बल्कि एक जीवंत और समर्पित इकाई बताया, जो पिछले छह दशकों से लगातार राष्ट्र की सेवा में लगी हुई है और दूसरों के लिए एक मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि अब तक निर्मित लगभग 700 चेतकों ने पूरे समर्पण के साथ युद्ध और शांति के समय में राष्ट्र की सेवा की है। उन्होंने इसके कई तरह के उपयोग को संयुक्तता का एक ज्वलंत उदाहरण बताया है।

रक्षा मंत्री ने इस हेलीकॉप्टर की क्षमताओं के बारे में बताते हुए कहा कि,चेतकने सटीकता के साथ दुश्मनों को निशाना बनाकर और सैनिकों को सफलतापूर्वक उतारकर युद्ध के मैदान में अपनी क्षमता साबित की है। इसने युद्ध के मैदान में आवश्यक सामान पहुंचाने में भी मदद की है। इसने आपात स्थिति में अपने फंसे लोगों को बचाकर निकाल ले जाने के प्रयासों के माध्यम से कई बहुमूल्य जीवन बचाए हैं। इसने जब भी आवश्यक हुआ महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की है, जिससे निर्णय लेने और युद्धों में जीत का मार्ग प्रशस्त करने में मदद मिली है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मानवीय सहायता और आपदा राहत पहुंचाने में चेतकहमेशा सबसे आगे रहा है। यह पहली बार है जब कोई हेलीकॉप्टर इस मुकाम पर पहुंचा है। उन्होंने इस तथ्य की सराहना की किअनुकूलन,संशोधन और उन्नयन के माध्यम से चेतकअपने निर्माण के 60 वर्षों के बाद भी एक अग्रणी हेलीकॉप्टर बना हुआ है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1971 के युद्ध के दौरान चेतक हेलीकॉप्टर के असाधारण योगदान को याद किया। उन्होंने बताया कि, जमीन पर अपने सैनिकों को हवाई सहायता प्रदान करने से लेकर हेली-ब्रिजिंग ऑपरेशन और दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करने तक, चेतकपर सवार हमारे वायु योद्धाओं ने युद्ध के दौरान अनुकरणीय साहस और दक्षता दिखाई। चेतक हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल मुक्ति वाहिनी के पायलटों को प्रशिक्षित करने के लिए भी किया जाता था। चेतक की भूमिका को एकीकरण और संयुक्तता को बढ़ावा देने के एक शानदार उदाहरण के रूप में भी देखा जा सकता है।